विद्या भवन बालिका विद्यापीठ लखीसराय

वर्ग नवम् विषय संस्कृत शिक्षक श्यामउदय सिंह जी

ता:- ०४/०२/२०२१(एन.सी.ई. आर.टी.पर आधारित)

पाठ:-दशम: पाठनाम जटायो: शौर्यम्

श्लोक ८

ततोऽस्य सशरं चापं मुक्तामणिविभूषितम्।

चरणाभ्यां महातेजा बभञ्जास्य महद्धनु:।।

अन्वय:-

तत: अस्य महातेजा सशरं चापम् अस्य मुक्तामणिविभूषितम्

धनु:चरणाभ्याम् बभञ्ज।

शब्दार्था:-

सशरं – बाण सहित, चापम् – धनुष को

मुक्तामणिविभूषितम् – मोतियों और मणियों से सजे हुए

बभञ्ज – तोड़ दिया , महद्धनु: - विशाल धनुष को

अर्थ- उसके बाद उस महान तेजस्वी (जटायु) ने मोतियों और मणियों से सजे हुए बाणों सहित उसके (रावण के)विशाल धनुष को अपने पैरों से तोड़ डाला ।